सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री
Prime Minister

संदेश

श्रम ब्यूरो की स्थापना के सौ वर्ष पूर्ण होने के बारे में जानकर प्रसन्नता हुई। ब्यूरो के 100 वर्षों की यात्रा के उपलक्ष्य में स्मारक डाक टिकट के जारी होने की बधाई।

श्रम ब्यूरो पिछले सौ वर्षों से श्रम, मूल्य एवं रोजगार से संबंधित आंकड़े पूरी निष्ठा और समर्पण भाव से जारी करता आ रहा है। कहा गया है – "श्रम मूलं वैभवम्" अर्थात् श्रम शक्ति किसी भी समाज और राष्ट्र की प्रगति को संभव बनाता है। 'श्रमेव जयते' के इसी मंत्र को लेकर श्रमिकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हमारी सरकार ने सतत् और समन्वित कदम उठाए हैं।

तीन ऐतिहासिक श्रमिक कोड हमारे मेहनती कामगार भाई-बहनों के हितों को सुनिश्चित करने और उच्च उत्पादकता को बढ़ावा देने का मजबूत आधार हैं। नए न्यूनतम आय, सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा, समान सेवा शर्तें, जैसे कई कदम श्रमिक कल्याण से जुड़े विविध विषयों को समग्रता देते हैं।

आज देश सामूहिक संकल्प के साथ एक समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की ओर लगातार आगे बढ़ रहा है। ऐसे में श्रम और श्रमिकों से संबंधित विश्वसनीय आंकड़ों की उपलब्धता प्रभावशाली नीति निर्माण एवं श्रम कल्याण के लिए तथ्यपरक कदमों को उठाना सुगम करती है।

विभिन्न क्षेत्रों में आंकड़ों की महत्ता और इसके बढ़ते उपयोग को ध्यान में रखते हुए, ब्यूरो की आंकड़े जुटाने की समृद्ध विरासत का श्रम एवं रोजगार के क्षेत्र में बेहतर नीति निर्माण हेतु अधिक-से-अधिक लाभ उठाए जाने की आवश्यकता है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि ब्यूरो आंकड़ा संग्रहण, विश्लेषण एवं प्रचार-प्रसार के क्षेत्र में नवीनतम प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए अपने कार्य को निरंतर जारी रखेगा।

श्रम ब्यूरो को उसके शताब्दी वर्ष समारोह तथा भविष्य के प्रयासों के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

(नरेन्द्र मोदी)

नई दिल्ली
पौष 07, शक संवत् 1942
28 दिसंबर, 2020